5. *Imported Edible Oilss*

The loading of imported edible oils in tank wagons from ports to Vanaspati factories in the hinterland was 3849 BG and 1083 MG./4932 T. Ws. during the 1st five months of 1980 as compared to 3353 BG and 1407 MG/ 4760 T.Ws during the corresponding period of last year.

Demand for wagons for loading edible oils and Vanaspati in tins and drums is also being generally met in full.

6. *Coal*..

The daily average loading of coal during the 1st five months of the 1980 and the corresponding months of 1979 was as under:—

	In term of 4-Wheelers	
	1979	1980
January . . .	9291	8968
February . . .	9330	9291
March . . .	9205	9251
April . . .	8885	8876
May . . .	8396	8520
Over all Average .	9021	8981

The slight drop in loading during the current year is due to Assam agitation, acute drought conditions and frequent interruptions in power supply to the Eastern and South, Eastern Railways.

Talcher-Sambalpur Line

1295. SHRI NITYANANDA MISHRA: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) whether the Government of Orissa has requested the Railway Ministry to start the earth-work of the proposed Talcher-Sambalpur Railway line as a measure to provide employment to the people of drought-hit areas; and

(b) if so, what steps have been taken in this regard?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI MALLIKARJUN): (a) and (b). Yes. A communication has been received indicating that the Government of Orissa has decided to provide support for doing the earth-work under "Food for Work" Programme for Talcher-Sambalpur rail link. Field work of the survey has been completed and the survey report is being compiled by the Railway and it is expected to be received shortly. Further action will be taken on receipt of the survey report.

जबलपुर जिले के पौंडी गांव में खान दुर्घटना

1296. **श्री रामावतार शास्त्री:** क्या श्रम मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि मध्य प्रदेश में जबलपुर जिले की बेहर तहसील के पौंडी गांव में खान दुर्घटना में 13 व्यक्ति मारे गये ;

(ख) यदि हां, तो खान दुर्घटना के क्या कारण हैं ; और

(ग) मृतकों के परिवारों के कल्याण के लिए सरकार ने क्या कार्यवाही की है ?

श्रम मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री टी. अंजैया) : (क) और (ख). खान सुरक्षा महानिदेशालय द्वारा भेजी गई रिपोर्ट के अनुसार, दुर्घटना 11-4-1980 को हुई, जबकि 19 ग्रामीणों का एक ग्रुप मध्य प्रदेश के बाला घाट जिले में पौंडी-मरी गांव के एक खुले उत्खनन से हुई मिट्टी हाथ से खोद रहे थे यह उत्खनन ओवर-हैंगिंग के नीचे था, जहां पहले ही छुई मिट्टी निकाली गई थी, जिससे अन्डर कट हो गया था । यह दुर्घटना 1.5 मीटर की ऊंचाई से ओवर हैंगिंग के निचली तहों के एका-एक गिरने के कारण हुई, जिसके परिणामस्वरूप 13 व्यक्तियों की मृत्यु हुई, 2 व्यक्तियों को गंभीर चोटें आईं, तथा चार को मामूली चोटें आईं । वह भूमि, जहां यह दुर्घटना हुई, वन विभाग, मध्य प्रदेश की है । यह छुई मिट्टी का उत्खनन खान नहीं है, क्योंकि यह खनिज वाला क्षेत्र नहीं है । इस भूमि को किसी को भी पट्टे पर नहीं दिया गया था ।

(ग) बालाघाट के कलक्टर द्वारा तुरन्त सहायता के रूप में प्रत्येक मृतक के आश्रितों को चावल के दो-दो बैग वितरित किए गए ।